आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 131 | उज्जैन, शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर बधाई देकर धन्यवाद ज्ञापित किया

मुख्यमंत्री से मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे समाज के कमजोर तबके को न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक्फ़ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित कदम उठाए हैं। उसी में वक्फ बोर्ड के नियम में इस प्रकार के संशोधन/प्रावधान करना जरूरी थे। वास्तविक गरीब से गरीब आदमी को वक्फ बोर्ड से लाभ मिले, खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को। उन्होंने कहा कि कुछ शक्ति सम्पन्न लोगों ने अपने हित में वक्फ की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे कर लिए थे, ताकि उनका आधिपत्य और वक्फ की सम्पत्ति पर दखल हमेशा बना रहे।

लोकोमोटिव निर्माण में यूरोप और अमेरिका को पछाड़ शीर्ष पर पहुंचा भारत, रेलवे मंत्रालय ने संसद में जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रेलवे लोकोमोटिव निर्माण में एक वैश्विक लीडर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वित्त वर्ष 2024-25 में रिकार्ड 1,681 लोकोमोटिव का निर्माण किया गया। बुधवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

लोकोमोटिव निर्माण में भारत काफी आगे- इसमें कहा गया कि यह उपलब्धि यूरोप, अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और आस्ट्रेलिया जैसे देशों के कुल लोकोमोटिव निर्माण को पार कर गई है। यह भारत की रेलवे क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक क्षमता को दर्शाती है।

इसमें कहा गया कि पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2023-24 में 1,472 लोकोमोटिव का निर्माण हुआ था। इस लिहाज से गत वर्ष की अपेक्षा इस बार 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

लोकोमोटिव निर्माण में निरंतर वृद्धि हो रही - रेलवे मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लोकोमोटिव निर्माण में निरंतर वृद्धि %मेक इन इंडिया% पहल को मजबूत करने को लिए गए रणनीतिक निर्णयों का प्रत्यक्ष परिणाम है। 2004 से 2014 के बीच भारत ने कुल 4,695 लोकोमोटिव का निर्माण किया। इसके विपरीत 2014 से 2024 के बीच लोकोमोटिव निर्माण में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई।

गृहमंत्री ने विपक्ष के तर्कों को किया धराशायी, बोले- वक्फ में अब नहीं चलेगी चोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विपक्ष के आरोपों की धज्जियां उड़ा दी। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में भारी गड़बड़ी का ब्योरा देते हुए शाह ने साफ कर दिया कि अब यह चोरी नहीं चलेगी। संशोधित वक्फ कानूनों को नहीं मानने का एलान करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि यह देश की संसद द्वारा बनाया गया भारत का कानून है। इसे सभी को मानना ही पड़ेगा।

अमित शाह बोले- पहले करते तो आज नहीं होती जरूरत- शाह ने बताया कि 2013 के वक्फ कानूनों को अति कठोर बनाने का किस तरह से दुरुपयोग किया गया। यदि तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस ने 2013 में वक्फ कानूनों को अति कठोर नहीं बनाया होता, तो आज संशोधन लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए अमित शाह ने 2013 में लाए गए संशोधन विधेयक पर राजद प्रमुख लालू यादव समेत अन्य सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दे का हवाला दिया। लालू यादव के भाषण का अंश पढ़ते हुए उन्होंने बताया कि किस तरह से संशोधन विधेयक का समर्थन करने के बावजूद उन्होंने वक्फ संपत्तियों में भारी लूट का मुद्दा उठाया था।

BIMSTEC शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए PM मोदी पहुंचे बैंकॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बैंकॉक रवाना हो गए हैं। वह थाई प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा के निमंत्रण पर थाईलैंड की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

प्रधानमंत्री की थाईलैंड की तीसरी यात्रा होगी- प्रधानमंत्री मोदी 4 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाले 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह प्रधानमंत्री की थाईलैंड की तीसरी यात्रा होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा पर रवाना हुए। प्रधानमंत्री थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा करेंगे और 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद, वे श्रीलंका की राजकीय यात्रा पर जाएंगे।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि अगले तीन दिनों में मैं थाईलैंड और श्रीलंका का दौरा करूंगा, जहां मैं इन देशों और बिम्सटेक देशों के साथ भारत के सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लूंगा। आज बाद में बैंकॉक में मैं प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा से मिलूंगा और भारत-थाईलैंड मैत्री के सभी पहलुओं पर चर्चा करूंगा।

ऑर्गन डोनेशन पर सरकारी कर्मचारियों को 42 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अंगदान के लिए अधिकतम 42 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश मिलेगा। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अंगदान के लिए अधिकतम 42 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया है।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा 2023 में जारी एक आदेश के अनुसार, जब इस प्रविधान की घोषणा की गई थी, दाता के अंग को निकालने के लिए सर्जरी के प्रकार के बावजूद, सरकारी पंजीकृत चिकित्सक/डॉक्टर की सिफारिश के अनुसार विशेष आकस्मिक अवकाश की अवधि अधिकतम 42 दिन होगी।

इसमें कहा गया था कि विशेष आकस्मिक अवकाश आम तौर पर अस्पताल में भर्ती होने के दिन से शुरू होकर एक बार में लिया जाएगा। हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर सरकारी पंजीकृत चिकित्सक या डॉक्टर की सिफारिश पर सर्जरी से अधिकतम एक सप्ताह पहले इसका लाभ उठाया जा सकता है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के निवारण के लिए भविष्य में अतिरिक्त पेंशन अदालतें आयोजित करना चाहती है। पेंशन अदालत का उद्देश्य केंद्रीकृत पेंशनभोगी शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली में प्राप्त अनसुलझे और पुरानी शिकायतों का मौके पर ही समाधान प्रदान करना है।

बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर बस ने कार को मारी टक्कर, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक से एक हादसे की खबर सामने आई है। कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मांड्या जिले के पास बेंगलुरू-मैसूर एक्सप्रेस वे पर एक बस ने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।

वे पिरियापट्टना जा रहे थे, तभी राज्य परिवहन की बस ने तुबिनाकेरे निकास के पास उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। मांड्या जिले के एसपी मल्लिकार्जुन बलदंडी ने बताया कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन को अस्पताल ले जाया गया।

रामायण की कथा थाई लोक-जीवन में रची-बसी, पीएम मोदी बोले- भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुरुवार को छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के लिए थाईलैंड पहुंचे। यहां बैंकॉक में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। थाई प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा ने बैंकॉक में गवर्नमेंट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया।

पीएम मोदी ने बैंकॉक में थाई प्रधानमंत्री शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिन की शुरुआत में थाई रामायण रामकियेन का एक प्रदर्शन देखा। इसके बाद पीएम मोदी और थाई पीएम शिनावात्रा ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

भूकंप में जनहानि पर जताई संवेदना- अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, इस खूबसूरत स्वर्ण भूमि में मेरे और मेरे डेलिगेशन के गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए मैं प्रधानमंत्री शिनावात्रा का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। 28 मार्च को आए भूकंप में हुई जनहानि के लिए मैं भारत के लोगों की ओर से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और हम घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन-जन को जोड़ा है। अयुत्थया से नालंदा तक विद्वानों का आदान-प्रदान हुआ है। रामायण की कथा थाई लोक-जीवन में रची-बसी है और संस्कृत-पाली के प्रभाव आज भी भाषाओं और परंपराओं में झलकते हैं।

स्ट्रैटिजिक डायलॉग स्थापित करने पर चर्चा- पीएम मोदी ने कहा, मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूं कि मेरी यात्रा के उपलक्ष्य में 18वीं शताब्दी की 'रामायण' म्यूरल पेंटिंग्स पर आधारित एक विशेष डाक-टिकट जारी किया गया है। प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने अभी मुझे त्रिपिटक भेंट की। बुद्ध भूमि भारत की ओर से मैंने इसे हाथ जोड़ कर स्वीकार किया।

पीएम ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच स्ट्रैटिजिक डायलॉग स्थापित करने पर भी चर्चा की।

बेटी के हाथों में सत्ता, पिता और बुआ भी रह चुकी PM

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के आमंत्रण पर वो थाईलैंड पहुंचे हैं। उन्होंने आज पैतोंगतार्न शिनावात्रा से मुलाकात भी की। वहीं, पैतोंगतार्न शिनावात्रा और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई।

4 अप्रैल को प्रधानमंत्री 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। इस यात्रा के बीच शिनवात्रा फैमिली की भी काफी चर्चा हो रही है। इस फैमिली का राजनीति और थाईलैंड की सत्ता से पुराना नाता रहा है।

पैतोंगतार्न शिनावात्रा से पहले उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा और उनकी बुआ यिंगलक शिनावात्रा प्रधानमंत्री का पद संभाल चुकी हैं। उनकी बुआ थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। उनके परिवार को सेना से भी चुनौती मिल चुकी है।

दरअसल, पैतोंगतार्न के पिता की सरकार को 2006 में एक सैन्य तख्तापलट के बाद पद से हटा दिया गया था। पैतोंगटार्न की बुआ यिंगलक शिनावात्रा को 2014 में एक अदालती फैसले के बाद पद से हटा दिया गया था। थाकसिन शिनवात्रा की फैमिल थाईलैंड की सबसे ताकतवर परिवार कहा जाता है।

थाकसिन का जन्म 1949 में हुआ। थाकसिन के दादा चियांग साएखु ने रेशम बिजनेस को स्थापित करते हुए %शिनवात्रा सिल्क्स% की स्थापना की। थाकसिन के पिता लोएट शिनावात्रा ने भी अपनी फैमिली बिजनेस को आगे बढ़ाया। वही, उनके पिता की राजनीति में भी दिलचस्पी थी।

उन्होंने बिजनेस संभालते हुए राजनीति में प्रवेश करने की इच्छा जाहिर की। लोएट 1968 से लेकर 1976 तक सांसद भी रहे। लोएट में राजनीति की एंट्री से उनके बेटे को भी फायदा मिला। थाकसिन को कम उम्र में ही राजनीतिक पहचान मिल गई।

पुलिस की नौकरी छोड़ थाकसिन ने राजनीति में की एंट्री- हालांकि, थाकसिन ने रॉयल थाई पुलिस में 1973 से लेकर 1987 तक काम किया। इसके बाद वो क्रिमिनल जस्टिस में मास्टर्स और डॉक्टरेट डिग्री हासिल करने के लिए अमेरिका चले गए। इसके बाद वो थाईलैंड आए और पुलिस विभाग में लेफ्टिनेंट कर्नल बन गए।

इसी दौरान उन्होंने पोटजमान नावादमरोंग से शादी रचाई। हालांकि, 1987 में पुलिस की नौकरी से उनका मोहभंग हो गया और उन्होंने पुलिस सर्विस को अलविदा कह दिया। वहीं, वो टेलीकम्युनिकेशन बिजनेस से भी जुड़ गए। उनकी कंपनी शिन कॉर्पोरेशन देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम ऑपरेटर कंपनी बन गई।

हमारी तटरेखा बंगाल की खाड़ी में सबसे लंबी, मोहम्मद युनूस को एस जयशंकर ने दिखाया आईना; दावों की निकाली हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने चीन दौरे के वक्त बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चिनफिंग के सामने शेषी बघारने के लिए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर टिप्पणी की थी। यूनुस ने इस दौरान बांग्लादेश को बंगाल की खाड़ी का गार्जियन बताया था।

अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने युनुस के दावों की हवा तो निकाल ही दी, साथ ही उन्हें भूगोल का पाठ भी पढ़ा दिया। जयशंकर ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में हमारी सबसे लंबी तटरेखा है, जो लगभग 6,500 किलोमीटर है। भारत न केवल पांच बिम्सटेक

सदस्यों के साथ सीमा साझा करता है, बल्कि उनमें से अधिकांश को जोड़ता है।

बिना नाम लिए बोला हमला- बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को 20वीं बिम्सटेक मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए यूनुस को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेष रूप से बिम्सटेक के लिए एक कनेक्टिविटी हब के रूप में उभर रहा है, जिसमें सड़कों, रेलवे, जलमार्गों, ग्रिड और पाइपलाइनों का असंख्य नेटवर्क है।

जयशंकर ने कहा, भारत न केवल पांच बिम्सटेक सदस्यों के साथ सीमा साझा करता है, बल्कि उनमें से अधिकांश को जोड़ता है, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप और आसियान के बीच बहुत अधिक इंटरफेस भी प्रदान करता है। जयशंकर ने कहा कि हम जानते हैं कि इस बड़े भूगोल में वस्तुओं, सेवाओं और लोगों के सुचारू प्रवाह के लिए हमारा सहयोग और सुविधा एक आवश्यक शर्त है। इस भू-रणनीतिक कारक को ध्यान में रखते हुए, हमने पिछले दशक में बिम्सटेक को मजबूत करने के लिए अपनी ऊर्जा और ध्यान को बढ़ाया है।

गाजा में इजरायल का बड़ा सैन्य अभियान- 32 फलस्तीनी मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में बड़े क्षेत्र को घेरकर इजरायली सेना का सघन अभियान शुरू हो गया है और बुधवार को इसमें 32 फलस्तीनी मारे गए हैं। मारे गए लोगों में करीब एक दर्जन बच्चे हैं। सबसे ज्यादा 17 लोग दक्षिणी शहर खान यूनिस में मारे गए जबकि 15 लोग उत्तर के जबालिया कैंप में मारे गए। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि यह अभियान हथियारबंद लड़ाकों के खात्मे के लिए है जो इजरायल के लिए खतरा हैं। इजरायल ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से गाजा में बफर जोन बनाया जाना जरूरी है। बफर जोन गाजा की भूमि पर गलियारे की शक्ल में बनेगा और उसके घेरे में फलस्तीनी आबादी होगी। इस बफर जोन में इजरायली सैनिक तैनात होंगे जो किसी भी इजरायल विरोधी गतिविधि को शुरू होते ही निष्प्रभावी करने में जुट जाएंगे।

फलस्तीनी क्या मानते हैं- जबकि फलस्तीनियों का मानना है कि बफर जोन के जरिये इजरायल की गाजा की भूमि पर कब्जा करने की योजना है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार का उद्देश्य गाजा की सुरक्षा पर नियंत्रण करना है जिससे इजरायल के साथ ही गाजा के लोग भी सुरक्षित रह सकें।

उन्हें जाना ही होगा..., ट्रंप ने किया एलान; अमेरिकी सरकार से एलन मस्क की छुट्टी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और दिग्गज कारोबारी एलन मस्क जल्द ही डोनाल्ड ट्रंप सरकार से बाहर हो सकते हैं यानी ष्ठह्वत्रश्च से अलग हो सकते हैं। ऐसा संकेत खुद अमेरिका का राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए हैं।

मस्क ने पीछे हटने का कर लिया फैसला- डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों और अन्य करीबी लोगों से कहा है कि उनके अरबपति सहयोगी एलन मस्क जल्द ही अपनी सरकारी भूमिका से पीछे हट जाएंगे। पोलिटिको ने ट्रंप के तीन करीबी लोगों के हवाले से ये रिपोर्ट दी है।

ट्रंप ने स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को ष्ठह्वत्रश्च का कार्यभार सौंपा था। पोलिटिको ने बताया कि ट्रंप और मस्क दोनों ने ये फैसला किया है कि मस्क जल्द ही अपने बिजनेस में वापस लौट जाएंगे, लेकिन अभी तक इसे लेकर कोई खास तारीख तय नहीं है।

टेस्ला के शेयर में आया उछाल- इस रिपोर्ट के बाद मस्क की टेस्ला के शेयर, जो पहली तिमाही में डिलीवरी में उम्मीद से अधिक गिरावट के बाद शुरुआती बिजनेस में 2त्न नीचे थे, उसके शेयर अब 3त्न ऊपर आ गए हैं।

चीन पर 34%, पाकिस्तान-बांग्लादेश को भारत से भी बड़ा झटका; किस देश से कितना टैक्स वसूलेंगे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ का एलान कर दिया है। ट्रंप ने भारत-चीन समेत दूसरे देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर रियायती टैक्स लगाने की घोषणा की है। साथ ही कई एशियाई देशों पर भी 30 से लेकर 45 फीसदी तक का टैरिफ लगाया है।

अमेरिका ने भारत को भी झटका दिया है। भारत पर 26 फीसदी यानी भारत से अमेरिका 26 फीसदी टैरिफ वसूलेगा। वहीं चीन से आयात होने वाले सामान पर 34 फीसदी शुल्क लगाने का एलान किया है। जवाबी करों की घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमारे देश को अन्य देशों की तरफ से लूटा गया है।

इन देशों पर लगा इतना टैरिफ- कंबोडिया से आयातित वस्तुओं पर 49 फीसदी टैरिफ लगाया है। साथ ही ट्रंप प्रशासन ने वियतनाम से आयातित सामान पर 46त्न टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है, जो उच्चतम दरों में से एक है। स्विटजरलैंड पर 31त्न और ताइवान पर 32% और यूरोपीय संघ पर 20% टैरिफ लगाया जाएगा । वहीं यूनाइटेड किंगडम को ट्रंप ने थोड़ी रियायत दी है। यूनाइटेड किंगडम से आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

पाकिस्तान-बांग्लादेश पर कितना- वहीं ट्रंप ने सबसे ज्यादा कंबोडिया पर 49 फीसदी टैरिफ लगाया है।

वहीं ताइवान पर 32 फीसदी टैरिफ का एलान।

जापान पर 24 और इंडोनेशिया पर 32 फीसदी टैरिफ का एलान।

ब्रिटेन, सिंगापुर और ब्राजील पर 10 प्रतिशत टैरिफ का एलान।

दक्षिण अफ्रीका पर 30 फीसदी टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिका ने पाकिस्तान पर 29 फीसदी टैरिफ का एलान किया है।

भूकंप से मरने वालों की संख्या 3000 के पार, करीब 5 हजार लोग घायल; सैकड़ों लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में लगभग एक सप्ताह पहले आए भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या गुरुवार को 3,085 तक पहुंच गई। यह भूकंप 7.7 की तीव्रता का था और इसका केंद्र मांडले के पास था, जो म्यांमार का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। सरकार ने कहा कि 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 लोग अब भी लापता हैं।

भूकंप के प्रभाव और संकट- भूकंप ने हजारों इमारतों को ढहा दिया, सड़कें और पुल नष्ट हो गए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, वास्तविक मौतों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक हो सकती है। टेलीफोन सेवाएं ठप हो गईं हैं और कई इलाकों में पहुंचना मुश्किल हो गया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य संकट और राहत प्रयास- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। 32 अस्पतालों और 18 स्वास्थ्य केंद्रों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। इस संकट से निपटने के लिए भारत से एक मोबाइल अस्पताल और रूस-बेलारूस के संयुक्त अस्पताल को मांडले में तैनात किया गया है।

मानवाधिकार और सैन्य संघर्ष- म्यांमार की सेना ने 2021 में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंका था, जिसके बाद से देश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति बन गई है।

ट्रंप ने फोड़ा टैरिफ बम तो चीन ने दी धमकी, कहा– करारा जवाब देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चीन के 438 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की।

चीन अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन ने इस फैसले के बाद कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए काउंटरमेजर अपनाएगा। चीन का विरोध

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ का विरोध करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाएगा कि उसके अधिकार और हित सुरक्षित रहें। इससे पहले, ट्रंप ने फरवरी और मार्च में भी चीन पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाए थे।

चीन ने दी प्रतिक्रिया- चीन ने पहले भी ट्रंप के शुल्कों के खिलाफ अतिरिक्त 15 प्रतिशत शुल्क लागू किया था और विश्व व्यापार संगठन में अमेरिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी। इसके अलावा, चीन ने 10 अमेरिकी कंपनियों को अविश्वसनीय संस्थाओं की लिस्ट में डाल दिया है और उनके खिलाफ कदम उठाए हैं। इनमें कई रक्षा, सुरक्षा, एआई, विमानन, आईटी से संबंधित कंपनियां शामिल हैं।

अब UAN से बैंक अकाउंट लिंक करने के लिए Employer से नहीं लेनी होगी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्यों को बैंकिंग की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया कराने की पहल को आगे बढ़ाते हुए इपीएफओ दावा निपटान प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए दो बड़े सुधार किए गए हैं।

इसमें पहला सुधार चेक लीफ या सत्यापित बैंक पासबुक की तस्वीर अपलोड करने की आवश्यकता को हटा दिया गया है। दूसरा बदलाव यह हुआ है कि यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को EPFO ने हटा दिया है।

श्रम मंत्रालय ने बताया कितने लोगों को मिलेगा लाभ- श्रम मंत्रालय ने पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के इन सुधारों को समग्र रूप से इपीएफओ में लागू किए जाने की जानकारी एक बयान जारी कर साझा की। चेक-बैंक पास बुक की तस्वीर अपलोड करने की आवश्यकता को हटाने का लाभ इपीएफओ के 7.7 करोड़ से अधिक सदस्यों को लाभ मिलेगा।

वहीं यूएएन के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को हटाने से लंबित अनुमोदन वाले लगभग 15 लाख सदस्यों को तत्काल लाभ मिलेगा। इस आवश्यकता को शुरू में कुछ केवाईसी-अपडेट सदस्यों के लिए पायलट आधार पर थोड़े सुधार किया गया था।

क्यों लाया गया नया नियम- मंत्रालय के अनुसार मई 2024 को इसके लांच होने के बाद से इस कदम से 1.7 करोड़ इपीएफ सदस्यों को लाभ मिल चुका है। चूंकि यूएएन के साथ बैंक खाते को जोड़ने के समय बैंक खाताधारक का नाम पहले से ही ईपीएफ सदस्य के विवरण के साथ सत्यापित होता है, इसलिए अब इस अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

ईडी ने मुडा जमीन आवंटन मामले में क्लोजर रिपोर्ट को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और अन्य से जुड़े मुडा जमीन आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती दी है। ईडी ने मंगलवार को एमपी, एमएलए स्पेशल कोर्ट के समक्ष लोकायुक्त पुलिस के खिलाफ विरोध याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि वह इस मामले में पीड़ित पक्ष है।

याचिका में पीएमएलए-2002 के उद्देश्यों और कारणों का हवाला दिया- केंद्रीय एजेंसी ने अपनी याचिका में पीएमएलए-2002 के उद्देश्यों और कारणों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में यह महसूस किया जा रहा है कि मनी लांड्रिंग न केवल देश की वित्तीय प्रणालियों के लिए बल्कि उनकी अखंडता और संप्रभुता के लिए भी गंभीर खतरा है।

ईडी ने कहा कि देश मनी लांड्रिंग अपराध के पीड़ित की परिभाषा के अंतर्गत आता है। इसने आगे कहा कि एजेंसी को एक पीड़ित व्यक्ति के रूप में माना जाना चाहिए, क्योंकि वे मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत अभियोजक हैं और इस प्रकार जांच एजेंसी को लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट पर कोई आदेश पारित करने से पहले विरोध करने या सुनवाई करने का अधिकार या अधिकार है।

हर कोई नहीं खरीद सकता एयर प्यूरीफायर, दिल्ली-NCR में पटाखों से नहीं हटेगा बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध में ढील देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। पीठ ने कहा कि हर कोई अपने घर या कार्यस्थल पर प्रदूषण से लड़ने के लिए एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता।

ग्रीन पटाखों पर की टिप्पणी- कोर्ट ने कहा, पिछले छह महीनों में इस कोर्ट द्वारा पारित कई आदेशों से दिल्ली में वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण व्याप्त भयावह स्थिति का पता चलता है। स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का एक अनिवार्य हिस्सा है, इसलिए प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का अधिकार भी संविधान का एक अनिवार्य हिस्सा है। कोर्ट ने कहा कि जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि तथाकथित ग्रीन पटाखों के कारण होने वाला प्रदूषण न्यूनतम है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का कोई सवाल ही नहीं है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि समय-समय पर पारित आदेशों से यह संकेत मिलता है कि पटाखों के उपयोग पर निर्देश और प्रतिबंध दिल्ली में उत्पन्न असाधारण स्थिति के मद्देनजर आवश्यक थे।

आपदा में अवसर खोजेंगे, ट्रंप के टैरिफ का तोड़ निकालेगी सरकार; बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा कर दी है। इसके बाद अब भारत सरकार का रिएक्शन सामने आया है। सरकार ने कहा है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सभी देशों के सामानों पर नए बेसलाइन 10% टैरिफ और भारत पर 27% रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा के प्रभावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रही है।

साथ ही सरकार अमेरिकी व्यापार नीति में इस विकास के कारण उत्पन्न होने वाले अवसरों का अध्ययन कर रही है।

क्या है भारत सरकार का अगला प्लान- एक बयान में केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह भारतीय इंडस्ट्री और निर्यातकों सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है, टैरिफ के उनके आकलन पर प्रतिक्रिया ले रहा है और विकसित भारत के नजरिए को ध्यान में रखते हुए स्थिति का आकलन कर रहा है।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की 13 फरवरी की मिशन 500 घोषणा का जिक्र किया गया है, जिसमें 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 500 बिलियन डॉलर करने की बात कही गई है। बयान में कहा गया है कि भारतीय और अमेरिकी व्यापार दल पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के जल्द समापन के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसमें आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को गहरा करने सहित आपसी हितों के कई मुद्दे शामिल हैं।

भारत ने कहा-कोई बड़ा झटका नहीं- बयान में आगे कहा गया है कि बातचीत दोनों देशों को व्यापार, निवेश बढ़ाने में सक्षम बनाने पर केंद्रित थी। हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के संपर्क में हैं और आने वाले दिनों में इन्हें आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।% सरकार ने ये भी कहा कि ये भारत के लिए ये कोई बड़ा झटका नहीं है। वह इसे आपदा में अवसर के तौर पर लेगा, वह अमेरिकी व्यापार नीति में आए भारी बदलाव में उत्पन्न होने वाले अवसरों का अध्ययन कर रहा है।

पेश करें अंतरिम रिपोर्ट, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी जमीन विवाद पर SC का तेलंगाना हाई कोर्ट को आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को कांचा गाचीबोवली वन स्थल का तत्काल दौरा करने का निर्देश दिया, जहां हैदराबाद विश्वविद्यालय से सटे 400 एकड़ जमीन पर पेड़ों की कटाई प्रस्तावित थी।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष इस मुद्दे का जिक्र किया गया। पीठ ने कहा, इसलिए, हम तेलंगाना हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को तत्काल संबंधित स्थल का दौरा करने और आज दोपहर 3.30 बजे तक अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देते हैं।

क्या बोली अदालत- पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को अपने आदेश को तत्काल उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को सूचित करने का निर्देश दिया, जो तत्काल उस पर कार्रवाई करेंगे।

पीठ ने कहा, हम तेलंगाना राज्य के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि जब तक इस न्यायालय द्वारा अगला आदेश पारित नहीं किया जाता, कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की अनुमति नहीं दी जाएगी। मामले की सुनवाई आज दोपहर 3.45 बजे तय की। पीठ को बताया गया कि तेलंगाना हाई कोर्ट भी इसी मामले से जुड़ा हुआ है।

3 बजे के बाद होगी सुनवाई - पीठ ने आगे कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि हम तेलंगाना हाई कोर्ट के समक्ष कार्यवाही पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र विश्वविद्यालय की सीमा से लगे 400 एकड़ भूमि के टुकड़े को विकसित करने की राज्य सरकार की योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस सरकार को 3 अप्रैल तक इस संबंध में सभी कार्यों को रोकने का निर्देश दिया है।

चिलचिलाती गर्मी के बीच देश के इन राज्यों में बारिश का अलर्ट, दिल्ली-यूपी में चढ़ेगा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी धीरे-धीरे बढ़ रही है, लेकिन कुछ जगहों पर बारिश की भी संभावना है। मौसम विभाग ने दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के लिए अलग-अलग पूर्वानुमान जारी किए हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान में इजाफा होने के आसार है।

वहीं मध्य प्रदेश में बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में गर्मी बढ़ रही है, जबकि राजस्थान के तापमान में भी बढ़ोतरी होगी, उत्तराखंड में गर्मी का प्रकोप जारी है, तो छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना है।

देश के कई राज्यों में अप्रैल से जून तक भीषण गर्मी होगी। मध्य प्रदेश में कई जगहों पर बादल छाए रहने के साथ हल?की बारिश होने की संभावना जताई गई है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में गर्मी जारी रहने की आशंका विभाग ने जताई है।

दिल्ली में गर्मी से बुरा हाल - दिल्ली-एनसीआर के लोगों को गर्मी से राहत के आसार नहीं मिल रहे हैं। तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। अगले 4 से 5 दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंच सकता है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम के औसत तापमान से 4.6 डिग्री कम था।

मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बीते दिनों प्रदेश के कई हिस्सों में लू का अलर्ट जारी किया गया था। लेकिन अभी करीब 3 से 4 दिनों तक लू का दौर जारी रहेगा

बिहार में कैसा रहेगा मौसम- बिहार में गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यहां तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। बढ़ते तापमान के बीच आने वाले दिनों मौसम यू-टर्न मारने की तैयारी में है।

अगले 24 घंटे में तेलंगाना, मध्य प्रदेश, गोवा, केरल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल षष्ठमी

संपादकीय

प्रेरणा, मार्गदर्शन, हमारे लिए अनमोल धरोहर ही नहीं एक अणखुट ख़जाना भी है....

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और हमारे पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की वैचारिकता, सोच, कहावतें, प्रेरणा, मार्गदर्शन, हमारे लिए अनमोल धरोहर ही नहीं एक अणखुट ख़जाना भी है,अगर हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की वैचारिक को ग्रहण कर उनकी बताई राहों, उनके द्वारा कही कहावतों पर गहराई से सोचें तो हमें एक-एक शब्द या लाइन में बहुत बड़ी सीख, प्रेरणा, मार्गदर्शन मिल सकता है जो उम्र का तकाज़ा, समय का तकाज़ा, समय बड़ा बलवान रे भैया समय बड़ा बलवान, मुख में राम बगल में छुरी, आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है, इत्यादि ऐसे अनेक सुने अनसुने शब्द कहावतें हैं जिनकी गहराई में जाकर उनका सकारात्मक मतलब निकाल कर हम बुराई से बच सकते हैं और मूल्यवान शब्दों को अपनाकर अपना जीवन संवार सकते हैं।

साथियों इसी कड़ी में बात अगर हम समय का तकाज़ा की करें तो बड़े बुजुर्गों का कहना है कि हमें अपनें जीवन को समय के अनुसार बदलने से ही सर्वसुख संपन्नता के ज्ञान का बोध होता क्योंकि समय एक सा नहीं रहता समय का चक्र हमेशा घूमता, बदलता रहता है कल जो हमारे पास परिस्थितियां थी अब बदल चुकी होतीहै और हमें उन बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढालना समय का सही मूल्यांकन हैं, क्योंकि जब दो पीढ़ियों की उम्र का गैप परिवार में आता है तो वैचारिक मतभेद आना स्वाभाविक ही है इसलिए हम बड़ों को चाहिए कि पारिवारिक बिखराव को रोकने, नई पीढ़ी के साथ सकारात्मक विचारों के साथ सामंजस्य बैठाना समय की मांग है क्योंकि बदलते आधुनिक परिपेक्ष में नए सकारात्मक वैचारिकता धारण करना समय की मांग है क्योंकि जो समय को छोड़ देता देता है समय उनको छोड़ देता है।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी के विचारों की करें तो ऐसा नहीं है कि हमें उनकी हर बातों में सामंजस्य बैठाना होगा, हमें उनकी सकारात्मक बात कैच कर उनके नकारात्मक बातों को उनके विचारों से हटाने का काम उनके साथ वैचारिक सामंजस्य बैठाकर ही करना होगा न कि पहले वाला तनावग्रस्त, आदेशात्मक व्यवहार, हमें अपने व्यवहार को सकारात्मक, प्रेरणादायक और मार्गदर्शन रूपी स्वभाव में बदलना होगा तो नई पीढ़ी से भी हमें सकारात्मक और अपनेपन का स्वभाव मिलेगा तब हम एक और एक ग्यारह का फ़ल प्राप्त कर आर्थिक, सामाजिक, नैतिक स्तर पर बलवान बनेंगे।

साथियों भारत अगर हम पुरानी पीढ़ी की वैचारिक मतभेद की करें तो, संभवतःजो लोग पुरानी पीढ़ी से संबंध रखते हैं वे युवा पीढ़ी को हमेशा शायद संदेह की नज़र के साथ देखते हैं। वे युवा पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। उन्हें लगता है कि उनका गुज़रा हुआ समय सबसे अच्छा समय था क्योंकि उस समय वे युवा थे और अपने बुजुर्गों का आदर करते थे तथा उनके प्रति अधिक आज्ञाकारी थे। वे ऐसा मानते थे कि अपने बुजुर्गों का अपमान करने से परिवार को अपूरणीय क्षति हो सकती है। इसके विपरीत आज के समय में युवाओं का मानना ??है कि उन्हें वृद्धों पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए और उन्हें सब कुछ खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना चाहिए। युवा परिवार में अपने बुजुर्गों द्वारा दी सलाह का पालन करना शायद नापसंद करते हैं। जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि माता-पिता अपने बच्चों के लिए थोड़ा सा समय ही निकाल पाते हैं। युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच समझ और अंतरंगता को विकसित करने के प्रयास कम किए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम युवाओं की दुविधा की करें तो, युवाओं को यह पता है कि वास्तव में हमारे देश की स्थिति क्या है। समर्पण, कर्तव्य, नैतिकता आदि पर चर्चाओं ने युवाओं को एक बड़ी दुविधा में डाल दिया है।

माखन लाल चतुर्वेदी

माखन लाल चतुर्वेदी सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिन्दी रचनाकार थे। इन्होंने हिन्दी एवं संस्कृत का अध्ययन किया। ये कर्मवीर राष्ट्रीय दैनिक के संपादक थे। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इनका उपनाम एक भारतीय आत्मा है। राष्ट्रीयता माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य का कलेवर है तथा रहस्यात्मक प्रेम उसकी आत्मा है।

जीवन परिचय

हिन्दी जगत् के कवि, लेखक, पत्रकार माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 ई. में बावई, मध्य प्रदेश में हुआ था। यह बचपन में काफ़ी रूग्ण और बीमार रहा करते थे। चतुर्वेदी जी के जीवनीकार बसआ का कहना है

दैन्य और दारिद्रय की जो भी काली परछाई चतुर्वेदियों के परिवार पर जिस रूप में भी रही हो, माखनलाल पौरुषवान सौभाग्य का लाक्षणिक शकुन ही बनता गया।

इनका परिवार राधावल्लभ सम्प्रदाय का अनुयायी था, इसलिए स्वभावत- चतुर्वेदी के व्यक्तित्व में वैष्णव पद कण्ठस्थ हो गये। प्राथमिक शिक्षा की समाप्ति के बाद ये घर पर ही संस्कृत का अध्ययन करने लगे। इनका विवाह पन्द्रह वर्ष की अवस्था में हुआ और उसके एक वर्ष बाद आठ रुपये मासिक वेतन पर इन्होंने अध्यापकी शुरू की।

कार्यक्षेत्र

1913 ई. में चतुर्वेदी जी ने प्रभा पत्रिका का सम्पादन आरम्भ किया, जो पहले चित्रशाला प्रेस, पूना से और बाद में प्रताप प्रेस, कानपुर से छपती रही। प्रभा के सम्पादन काल में इनका परिचय गणेश शंकर विद्यार्थी से हुआ, जिनके देश- प्रेम और सेवाव्रत का इनके ऊपर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। चतुर्वेदी जी ने 1918 ई. में कृष्णार्जुन युद्ध नामक नाटक की रचना की और 1919 ई. में जबलपुर से कर्मवीर का प्रकाशन किया। यह 12 मई, 1921 ई. को राजद्रोह में गिरफ़्तार हुए 1922 ई. में कारागार से मुक्ति मिली। चतुर्वेदी जी ने 1924 ई. में गणेश शंकर विद्यार्थी की गिरफ़्तारी के बाद प्रताप का सम्पादकीय कार्य- भार संभाला। यह 1927 ई. में भरतपुर में सम्पादक सम्मेलन के अध्यक्ष बने और 1943 ई. में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष हुए। इसके एक वर्ष पूर्व ही हिमकिरीटिनी और साहित्य देवता प्रकाश में आये। इनके 1948 ई. में हिम तरंगिनी और 1952 ई. में माता काव्य ग्रंथ प्रकाशित हुए।

हिन्दी काव्य के विद्यार्थी माखनलाल जी की कविताएँ पढ़कर सहसा आश्चर्य चकित रह जाते है। उनकी कविताओं में कहीं ज्वालामुखी की तरह धधकता हुआ अंतर्मन, जो विषमता की समूची अग्नि सीने में दबाये फूटने के लिए मचल रहा है, कहीं विराट पौरुष की हुंकार, कहीं करुणा की अजीब दर्द भरी मनुहार। वे जब आक्रोश से उद्दीप्त होते हैं तो प्रलयंकर का रूप धारण कर लेते हैं किंतु दूसरे ही क्षण वे अपनी कातरता से विह्वल होकर मनमोहन की टेर लगाने लगते हैं। चतुर्वेदी जी के व्यक्तित्व में संक्रमणकालीन भारतीय समाज की सारी विरोधी अथवा विरोधी जैसी प्रतीत होने वाली विशिष्टताओं का सम्पुंजन दिखायी पड़ता है।

शैक्षिक कार्य सर्वोपरि

स्वाधीनता के बाद जब मध्य प्रदेश नया राज्य बना था तब यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ कि किस नेता को इस राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री पद की बागडोर सौंपी जाय? किसी एक नाम पर सर्वसम्मति नहीं बनी। तीन नाम उभर कर सामने आये पहला पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, दूसरा पंडित रविशंकर शुक्ल, और तीसरा पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा। कागज़ के तीन टुकडो पर ये नाम अलग अलग लिखे गए। हर टुकड़े की एक पुडिया बनायी गयी। तीनो पुड़ियाये आपस में खूब फेंटी गयी फिर एक पुडिया निकाली गयी जिस पर पंडित माखन लाल चतुर्वेदी का नाम अंकित था। इस प्रकार यह तय पाया गया कि वे नवगठित मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री होंगे। तत्कालीन दिग्गज नेता माखनलाल जी के पास दौड़ पड़े। सबने उन्हें इस बात की सुचना और बधाई भी दी कि अब आपको मुख्यमंत्री के पद का कार्यभार संभालना है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने सबको लगभग डांटते हुए कहा कि मैं पहले से ही शिक्षक और साहित्यकार होने के नाते देवगुरु के आसन पर बैठा हूँ। मेरी पदावनति करके तुम लोग मुझे देवराज के पद पर बैठना चाहते हो जो मुझे सर्वथा अस्वीकार्य है । उनकी इस असहमति के बाद रविशंकर शुक्ल को नवगठित प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया।

रचनाएँ

चतुर्वेदी जी की रचनाओं को प्रकाशन की दृष्टि से इस क्रम में रखा जा सकता है। कृष्णार्जुन युद्ध (1918 ई.), हिमकिरीटिनी (1941 ई.), साहित्य देवता (1942 ई.), हिमतरंगिनी (1949 ई.- साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत), माता (1952 ई.)। युगचरण, समर्पण और वेणु लो गूँजे धरा उनकी कहानियों का संग्रह अमीर इरादे, ग़रीब इरादे नाम से छपा है।

दो श्रेणियों में रचनाएँ

कवि के क्रमिक विकास को दृष्टि में रखकर माखनलाल चतुर्वेदी की रचनाओं को दो श्रेणी में रख सकते हैं।

आरम्भिक काव्य- 1920 ई. के पहले की रचनाएँ

परिणति काव्य- 1920 ई. से बाद की काव्य- सृष्टि

चतुर्वेदी जी की रचनाओं की प्रवृत्तियाँ प्रायः स्पष्ट और निश्चित हैं। राष्ट्रीयता उनके काव्य का कलेवर है तो भक्ति और रहस्यात्मक प्रेम उनकी रचनाओं की आत्मा। आरम्भिक रचनाओं में भी वे प्रवृत्तियाँ स्पष्टता परिलक्षित होती हैं। प्रभा के प्रवेशांक में प्रकाशित उनकी कविता नीति-निवेदन शायद उनके मन की तात्कालीन स्थिति का पूरा परिचय देती है। इसमें कवि श्रेष्ठता सोपानगामी उदार छात्रवृन्द से एक आत्म-निवेदन करता है। उन्हें पूर्वजों का स्मरण दिलाकर रत्नगर्भा मातृभूमि की रंकतापर तरस खाने को कहता है। उसी समय प्रभा भाग 1, संख्या 6 में प्रकाशित प्रेम शीर्षक कविताओं से सबसे सावित्य प्रेम व्याप्त हो, इसके लिए सन्देश दिया है क्योंकि इस प्रेम के बिना बेड़ा पार होने वाला नहीं है। माखनलाल जी की राष्ट्रीय कविताओं में आदर्श की थोथी उड़ाने भर नहीं है। उन्होंने खुद राष्ट्रीय संग्राम में अपना सब कुछ बलिदान किया है, इसी कारण उनके स्वरों में बलिपंथी की सच्चाई, निर्भीकता और कष्टों के झेलने की अदम्य लालसा की झंकार है। यह सच है कि उनकी रचनाओं में कहीं-कहीं हिन्दू राष्ट्रीयता का स्वर ज़्यादा प्रबल हो उठा है किंतु हम इसे साम्प्रदायिकता नहीं कह सकते, क्योंकि दूसरे सम्प्रदाय अहित की आकांक्षा इनमें रंचमात्र भी दिखाई न पड़ेगी। विजयदशमी और प्रवासी भारतीय वृन्द अथवा हिन्दुओं का रणगीत, मंजुमाधवी वृत्त ऐसी ही रचनाएँ हैं। उन्होंने सामयिक राजनीतिक विषमों को भी दृष्टि में रखकर लिखा और ऐसे जलते प्रश्नों को काव्य का विषय बनाया।

कविता लेखन

20वीं शती के प्रथम दशक में ही चतुर्वेदी जी ने कविता लिखना आरंभ कर दिया था, पर आज़ादी के संघर्ष में सक्रियता का आवेश शनैः-शनैः उम्र के चढ़ाव के साथ परवान चढ़ा, जब वे बाल गंगाधर तिलक के क्रांतिकारी क्रिया-कलापों से प्रभावित होने के बावजूद महात्मा गाँधी के भी अनुयाई बने। आपने राष्ट्रीय चेतना को राजनैतिक वक्तव्यों से बाहर निकाला। राजनीति को साहित्य सृजन की टंकार से राष्ट्रीय रंगत बख्शी और जनसाधारण को जतलाया कि यह राष्ट्रीयता गहरे मानवीय सरोकारों से उपजती है, जिसका अपना एक संवेदनशील एवं उदात्त मानवीय स्तर होता है। अपनी रचनाओं में एक भारतीय आत्मा ने बलिपंथी के भाव को उद्घाटित किया है। चतुर्वेदी जी राजनीति और रचना को साथ-साथ निभाते चलते थे। ऐसे श्रेष्ठ मुद्दे राजनीति में विलयित नहीं होने पाते। निज रचना-कर्म के विषय में, आत्म-विज्ञापन से दूर रहते हुए तनिक हल्के विनोद के साथ दादा (चतुर्वेदी जी) निज व्यथा इस तरह व्यक्त कर गए हैं। अपने दूसरे काव्य-संकलन 'हिम तरंगिणी' की भूमिका में उल्लेख है- 'कविता की धर्मशाला में, जहां कुछ लोग कमरे पा गए थे, कुछ दूसरे लोग फर्श पर बिस्तर डाले बैठे थे और कुछ अन्य पूरी धर्मशाला पर ही एकाधिकार किए थेज कई एक धर्मशाला की दीवारों पर हाथ की खड़िया मिट्टी से लिख रहे थेज वहीं सबसे सुरक्षित और श्रेष्ठ स्थान मेरा है।'

14 के शेयर को खरीदने टूटे निवेशक, फटाफट कर्ज कम कर रही है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्वेलरी कंपनी पीसी ज्वेलर लिमिटेड के शेयर गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 5.2% बढ़कर 14.57 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 13.84 रुपये है। कंपनी के शेयर बीते पांच दिन में 4त्न चढ़ गए। महीनेभर में यह शेयर 33त्न तक चढ़ गया। सालभर में यह शेयर 140% तक चढ़ गया। इस दौरान इसकी कीमत 6 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई। बता दें कि कंपनी फटाफट कर्ज कम रही है।

क्या है कंपनी की योजना- हाल ही में पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने कहा है कि उसने इस वित्त वर्ष में अपने बैंक कर्ज को आधे से अधिक घटाकर लगभग 1,800 करोड़ रुपये कर दिया है।

कंपनी ने बेहतर बिक्री एवं फंड जुटाकर अगले साल मार्च तक कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के मुताबिक, ''चालू वित्त वर्ष के अंत पीसी ज्वेलर लिमिटेड का बैंक कर्ज घटकर 1,775 करोड़ रुपये रह जाने की उम्मीद है। हम अपने बैंक कर्ज को और कम करने और मार्च, 2026 तक ऋण मुक्त होने का लक्ष्य बना रहे हैं।'' बता दें कि सोने और चांदी के आभूषण बेचने वाली पीसी ज्वेलर के 15 राज्यों में 55 शोरूम हैं।

कंपनी की वित्तीय स्थिति- चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में पीसी ज्वेलर का एकीकृत परिचालन राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के 556.91 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,545.58 करोड़ रुपये हो गया। पिछले पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का परिचालन राजस्व 605.40 करोड़ रुपये रहा था। अप्रैल-दिसंबर की अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 482.92 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 507.72 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

10 साल पुरानी कंपनी लेकर आ रही आईपीओ, लोन बांटने का है कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीओ मार्केट में ऑनलाइन लेंडिंग प्लेटफॉर्म किश्त की भी एंट्री होने वाली है। इस कंपनी ने आईपीओ के साथ पूंजी बाजार में उतरने की तैयारी कर रहा है और इस प्रक्रिया के लिए निवेश बैंकरों को नियुक्त किया है। मिंट को सूत्रों ने जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक कंपनी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट बैंकिंग को काम पर रखा है और चौथे बैंकर को तय किया जा रहा है। सूत्र बता रहे हैं कि चद्बह्यह्यद्धह्ल द्वारा जून तक नियामक के पास प्री-आईपीओ दस्तावेज दाखिल करने की संभावना है। इसकी योजना 225 मिलियन डॉलर (1,926 करोड़) जुटाने की है।

कंपनी के बारे में- किश्त भारत में एक लीडिंग डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म है, जो क्विक कर्ज प्रोवाइड करता है। ओनेमी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लॉन्च किया गया किश्त फिनटेक इनोवेशन में अग्रणी रहा है। यह प्लेटफॉर्म न्यूनतम दस्तावेजों के साथ ?5 लाख तक के पर्सनल और कॉमर्शियल लोन प्रोवाइड करता है। यह प्लेटफॉर्म एंडिया पार्टनर्स, ब्रुनेई इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और सिंगापुर सरकार जैसे प्रमुख निवेशकों द्वारा समर्थित है।

बाजार में हाहाकार के बीच 89 पर आ गया यह शेयर, एक अधिग्रहण के बाद शेयर खरीदने की लूट, 18% चढ़ा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में गिरावट के बीच पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज के शेयर 18% तक चढ़कर 89.50 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, हांगकांग (यह पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (इंडिया) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) ने जापान में निगमित कंपनी पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज केके में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। इस ऐलान के बाद शेयरों में तेजी आई है।

क्या है अधिग्रहण डिटेल- समझौते के तहत पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, हांगकांग, जॉन जेंडानो, एकमात्र शेयरधारक से अ10,000 (लगभग 5,723) प्रति शेयर की कीमत पर अ5.1 मिलियन (लगभग 29 लाख) के कुल मूल्य पर 510 इक्विटी शेयर प्राप्त करेगा। यह अधिग्रहण कंपनी की अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करने और नए बाजारों में उपस्थिति स्थापित करने की योजना का हिस्सा है। बता दें कि पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज केके को सितंबर 2024 में शामिल किया गया था और यह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करती है। हालांकि कंपनी ने अभी तक व्यवसाय संचालन शुरू नहीं किया है, लेकिन इस अधिग्रहण से जापान में भविष्य की व्यावसायिक गतिविधियों और सहयोग का समर्थन करने की उम्मीद है। इस लेन-देन को जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। अधिग्रहण के लिए भुगतान 5 अप्रैल 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

कंपनी ने क्या कहा- पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संस्थापक, एमडी और सीईओ मुकेश थुमर ने कहा, यह अधिग्रहण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। जापान एक सुस्थापित प्रौद्योगिकी बाजार है जिसमें मजबूत विकास क्षमता है, और यह कदम हमें इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में सक्षम बनाता है।

कौन हैं पूनम गुप्ता, जिन्हें बनाया गया आरबीआई का डिप्टी गवर्नर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूनम गुप्ता को भारतीय रिजर्व बैंक का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (ह्रष्टक्रन्) की महानिदेशक हैं। उन्हें तीन साल के लिए आरबीआई डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया है। वो माइकल पात्रा की जगह लेंगी। पात्रा ने इस साल जनवरी में इस पद से इस्तीफा दिया था।

पूनम गुप्ता ने स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड (अमेरिका) में पढ़ाया और आईएसआई, दिल्ली विजिटिंग फैकल्टी के रूप में काम किया। वह राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान में आरबीआई चेयर प्रोफसर और आईसीआरआईईआर में प्रोफेसर भी रहीं हैं।

दिल्ली के स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से की पढाई- पूनम गुप्ता ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने मैरीलैंड यूनिवर्सिटी, अमेरिका से पीएचडी किया।

नीति आयोग की सलाहकार समितियों में रह चुकी हैं सदस्य

उनके पास ढ्ढरूस्न और वर्ल्ड बैंक में काम करने का 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह नीति आयोग व FICCI की सलाहकार समितियों में सदस्य भी रहीं हैं।

ट्रंप के टैरिफ से भारत को भी नुकसान! टेक्सटाइल, ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर पर होगा क्या-क्या असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय समय के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर दिया है। भारत समेत दुनिया के कई बड़े देशों में ये अमेरिकी टैरिफ लगने जा रहा है।

एएनआई की माने तो इसे भारत के कई सेक्टर में नुकसान हो सकता है। इनमें टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि सेक्टर को शामिल किया गया है। ट्रंप ने ये रेसिप्रोकल टैरिफ उन देशों पर लगाया है, जो अमेरिका के मुताबिक उनसे अच्छा खासा टैरिफ वसूल रहे थे।

जो भी देश अमेरिका से आई वस्तुओं पर टैरिफ वसूल रहा था। अब अमेरिका भी उन देशों से उतना ही टैरिफ लेगा।

अजय बग्गा ने टैरिफ पर क्या कहा - एएनआई से बातचीत के दौरान बैंकिंग और इंटरनेशनल स्टॉक के विशेषज्ञ अजय बग्गा ने टैरिफ पर कई महत्वपूर्ण बातें कही है। उन्होंने कहा कि ये अमेरिकी टैरिफ कई गणनाओं पर आधारित है। इनमें कस्टम ड्यूटी, करेंसी में बदलाव और जीएसटी को भी शामिल किया जाएगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ये टैरिफ लागू कर अमेरिका पहले और अकेले होने वाली मानसिकता की ओर बढ़ रहा है।

इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि ट्रंप के टैरिफ से किन सेक्टर पर प्रभाव पड़ सकता है। अजय बग्गा के मुताबिक भारत के घरेलू बाजार पर इसका प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा। हालांकि भारत के कई बड़े सेक्टर जैसे टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि पर इस टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है।

सस्ता होगा या महंगा? ट्रंप के टैरिफ के बाद सोने की कीमतों पर क्या पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ से विश्व की अर्थव्यवस्था पर हलचल मची हुई है। वहीं भारतीय शेयर बाजारों में भी सुस्ती छाई हुई है। ऐसे समय में निवेश सुरक्षित निवेशक प्लेटफॉर्म की ओर रूझान ले सकते हैं। इनमें फिजिकल गोल्ड भी शामिल है। हालांकि आज भारत में सोने की कीमत पर कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आज 3 अप्रैल को भारत में सोने की कीमत पर कोई अंतर नही है। ट्रंप ने अपने एक भाषण में कहा कि बहुत से देश अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए अपने टैरिफ में कटौती कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कई देश अमेरिका में लंबे समय से ज्यादा से ज्यादा टैरिफ वसूल रहे हैं। मुझे सुनने में आया है कि भारत भी अपने टैरिफ में कटौती करने का प्लान बना रहा है।

भारत की सोने की कीमत पर क्या होगा असर- जभी भी विश्व में अर्थव्यवस्था अस्थायी हुई है, निवेशक सुरक्षित प्लेटफार्म की तरफ बढ़े हैं। टैरिफ से पहले भी सोने की कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 90 हजार प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मक्सी बायपास पर चलती कार बनी आग का गोला, दंपति की बाल-बाल बची जान

मक्सी। मक्सी बायपास पर गुरुवार दोपहर एक चलती कार में अचानक आग लग गई, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कार में सवार कैलाश झाला और किरण झाला इस हादसे में बाल-बाल बच गए। समय रहते वे दोनों कार से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन उनकी कार धू-धू कर जल गई।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार कैलाश झाला किरण झाला के साथ मक्सी में अपने साढ़ू से मिलने आ रहे थे। वे सतनाम ढाबे के पास पहुंचे, तो कार के अंदर से धुआं उठता हुआ नजर आया। उन्होंने तुरंत गाड़ी रोककर स्थिति का जायजा लिया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल कार से उतरने का फैसला किया। दोनों कार से बाहर निकले ही थे कि अचानक उसमें आग की लपटें उठने लगीं। देखते-देखते पूरी कार आग के गोले में बदल गई।दमकल ने पाया आग पर काबू

घटना के दौरान वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों व स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि किसी के बस में नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही मक्सी थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

शाजापुर और तराना से दमकल की गाड़ियां भी बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

शॉर्ट सर्किट बना आग की वजह

प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि कार में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच तराना पुलिस द्वारा की जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र तराना थाना अंतर्गत आता है।

हादसे के बाद सदमे में दंपति

इस दुर्घटना के बाद कैलाश झाला और किरण झाला पूरी तरह सदमे में हैं। हालांकि वे सुरक्षित हैं, लेकिन इस भयावह हादसे ने उन्हें हिला कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वाहन चलाने से पहले उनकी तकनीकी जांच अवश्य कराएं, जिससे इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकें।

मक्सी। मक्सी बायपास पर गुरुवार दोपहर एक चलती कार में अचानक आग लग गई, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कार में सवार कैलाश झाला और किरण झाला इस हादसे में बाल-बाल बच गए। समय रहते वे दोनों कार से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन उनकी कार धू-धू कर जल गई।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार कैलाश झाला किरण झाला के साथ मक्सी में अपने साढ़ू से मिलने आ रहे थे। वे सतनाम ढाबे के पास पहुंचे, तो कार के अंदर से धुआं उठता हुआ नजर आया। उन्होंने तुरंत गाड़ी रोककर स्थिति का जायजा लिया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल कार से उतरने का फैसला किया। दोनों कार से बाहर निकले ही थे कि अचानक उसमें आग की लपटें उठने लगीं। देखते-देखते पूरी कार आग के गोले में बदल गई।दमकल ने पाया आग पर काबू

घटना के दौरान वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों व स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि किसी के बस में नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही मक्सी थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

शाजापुर और तराना से दमकल की गाड़ियां भी बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

शॉर्ट सर्किट बना आग की वजह

प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि कार में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच तराना पुलिस द्वारा की जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र तराना थाना अंतर्गत आता है।

इस दुर्घटना के बाद कैलाश झाला और किरण झाला पूरी तरह सदमे में हैं। हालांकि वे सुरक्षित हैं, लेकिन इस भयावह हादसे ने उन्हें हिला कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वाहन चलाने से पहले उनकी तकनीकी जांच अवश्य कराएं, जिससे इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकें।

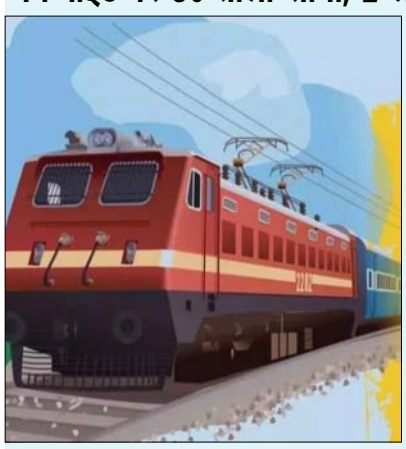

रीवा में कोल माइंस की रिटायर्ड अधिकारी के घर में गन पॉइंट पर 30 तोला सोना, 2 लाख रुपए की लूट

ग्वालियर। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आइआरसीटीसी) द्वारा देश के सात ज्योतिर्लिंगों की यात्रा कराई जाएगी। इसके लिए स्पेशल ÷भारत गौरव यात्रा÷ पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जाएगा, जो 11 से शुरू होकर 22 अप्रैल तक चलेगी। यह पूरा पैकेज 11 रात और 12 दिन के लिए होगा।

इस यात्रा में देश के सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रियों को उज्जैन स्थित महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात स्थित सोमनाथ और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर, भेंट द्वारका एवं सिग्नेचर ब्रिज, नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग पंचवटी एवं कला राम मंदिर, पुणे स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और औरंगाबाद स्थित खेरेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ ही स्थानीय मंदिरों के भी दर्शन कराए जाएंगे।,

ग्वालियर। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आइआरसीटीसी) द्वारा देश के सात ज्योतिर्लिंगों की यात्रा कराई जाएगी। इसके लिए स्पेशल ÷भारत गौरव यात्रा÷ पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जाएगा, जो 11 से शुरू होकर 22 अप्रैल तक चलेगी। यह पूरा पैकेज 11 रात और 12 दिन के लिए होगा।

इस यात्रा में देश के सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रियों को उज्जैन स्थित महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात स्थित सोमनाथ और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर, भेंट द्वारका एवं सिग्नेचर ब्रिज, नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग पंचवटी एवं कला राम मंदिर, पुणे स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और औरंगाबाद स्थित खेरेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ ही स्थानीय मंदिरों के भी दर्शन कराए जाएंगे।

कथा में कहा- एक दिन सबको जाना हैं, अगले ही दिन इंदौर के कथावाचक का साइलेंट अटैक से निधन

राजगढ़। राजगढ़ जिले के ब्यावरा में कथा कर रहे इंदौर के कथाचाक पंडित राकेश व्यास का साइलेंट हार्ट अटैक से निधन हो गया। भवंरगंज मित्र मंडल के तत्वाधान में शहर के राजगढ़ रोड स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में चल रही थी। दो दिन की कथा करने के बाद मंगलवार की रात में उन्हें साइलेंट अटैक आया और हृदय गति रुक जाने से उनकी मौत हो गई।

समिति द्वारा उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार पं. राकेश व्यास (51) (इंदौर वाले) की मौत हृदय गति रुकने से हो गई। सुबह जब कथा के आयोजक चाय देने के लिए गए तो वे उठ ही नहीं पाए। इंदौर के पास उनके गृह गांव बावल्या खुर्द में अंत्येष्टि कर दी गई। बता दें, कि दो दिन की कथा के बाद मंगलवार रात करीब दो बजे तक वे बात करते रहे। इसके बाद सोए तो उठे ही नहीं। डॉक्टरों का कहना है कि नींद में ही उन्हें अटैक आ गया था।

लोगों को लगा, रात को देर से सोए थे इसलिए नहीं उठे आयोजनकर्ता सुबह चाय के लिए उठाने पहुंचे तो वे नहीं उठ पाए। इस पर सभी ने सोचा कि रात को देर से सोए थे इसलिए नहीं उठ रहे होंगे। 31 मार्च से शुरू हुई कथा 6 अप्रैल तक होने वाली थी। दो दिनों से कथा वाचक पं. राकेश व्यास भक्तों को भगवान शिव की महिमा सुना रहे थे।कथा में कहा था राजा हो या फकीर, एक दिन सभी को जाना हैजानकारी के मुताबिक कथावाचक पंडित राकेश व्यास ने कथा में कहा था कि जिंदगी रंज-ओ-गम का मेला है, कल मैं रहूं या ना रहूं, तुम रहो या ना रहो, कथा का श्रवण कर लीजिए, राजा हो या फकीर एक दिन सभी को इस संसार से जाना है।

घटना के बाद कथा स्थल पर पसर गया सन्नाटाकथावाचक के निधन के बाद कथा स्थल पर सन्नाटा पसर गया है। यहां शोक का माहौल पसर गया है। इधर कथावाचक के निधन के बाद उनके परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नक्सली गतिविधियों को रोकने मध्य प्रदेश में एनआईए की तर्ज पर बनी एसआईए

भोपाल । नक्सली गतिविधियों को रोकने, जांच व उनके विरुद्ध ऑपरेशन के लिए प्रदेश में स्टेट इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एसआईए) का गठन किया गया है। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा के आईजी स्तर के अधिकारी को इसका प्रमुख बनाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल प्रभावित अन्य राज्यों में भी इसी तरह की जांच एजेंसी बनाई गई है। यह केंद्र की नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) की तरह काम करेगी। एनआईए का गठन देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई के लिए किया गया है। नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई में आएगी तेजी

केंद्र सरकार के निर्देश पर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में इसका गठन किया जा चुका है। नक्सलियों ने इन तीनों राज्यों को मिलाकर एक जोन (एमएमसी) बनाया हुआ है। एसआईए से इसमें नक्सलियों के विरुद्ध कार्रवाई में तेजी आएगी।बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च, 2026 तक देश से नक्सल समस्या पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है। एसआईए का गठन इसी दिशा में एक प्रयास है। इसका मुख्य काम नक्सलियों के नेटवर्क का पता लगाना है।

साथ ही, एजेंसी के अन्य कार्य नक्सलियों को आर्थिक सहायता कहां से मिल रही है, नक्सलियों द्वारा उपयोग किए जा रहे हथियार उन तक कैसे पहुंच रहे हैं, नए नक्सलियों की भर्ती का तरीका, ग्रामीणों से संपर्क की रणनीति, बड़ी नक्सली घटनाओं की जांच से संबंधित रहेगा। मध्य प्रदेश एसआईए नक्सल गतिविधियों की रोकथाम में एनआईए का भी सहयोग लेगी।

अगले तीन वर्ष में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिला स्तर पर सर्वे कराकर विकसित करें कार्य योजना, जनप्रतिनिधियों का भी लें अभिमत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन भोपाल में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।

बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत कलेक्टर आशीष सिंह पहुँचे शासकीय सांदीपनि विद्यालय मुसाखेड़ी

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में भी स्कूल चलें हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज सभी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी स्कूलों में कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम और विभिन्न विभागों के अधिकारी स्कूलों में पहुँचे, प्रेरक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से भेंट की, उनके साथ अपने अनुभव साझा किये, पढ़ाई का महत्व बताया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के मंत्र समझायें। इसी के तहत कलेक्टर श्री आशीष सिंह इंदौर के मुसाखेड़ी स्थित सांदीपनि विद्यालय पहुँचे। यहाँ वे सहज भाव से बच्चों के बीच बैठे, उनसे रूबरू होते हुए अपने बचपन को याद किया, कहानी सुनाई, अनुभव साझा किये और बच्चों को जीवन में आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बच्चों से कहा कि अब सीएम राइज स्कूल का नाम सांदीपनि विद्यालय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ?किया गया है। यह हमारे ऋषि मुनियों की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। शासकीय विद्यालयों की दशा और दिशा भी तेजी से बदल रही है। सकारात्मक बदलाव आ रहा है। सरकारी स्कूलों के प्रति पालकों का विश्वास बढ़ रहा है। इस वर्ष 40 से अधिक बच्चों ने प्रायवेट स्कूल छोड़कर इस सरकारी स्कूल में प्रवेश लिया है।

दिव्यांग बेटी सीता का विवाह - बहुउद्देशीय सेवा समिति, कुंदन नगर, इंदौर का सराहनीय प्रयास

इंदौर। बहुउद्देशीय सेवा समिति, कुंदन नगर, इंदौर में पिछले 18 वर्षों से रह रही दिव्यांग बेटी सीता का विवाह दिव्यांग राजेश (देवास निवासी) के साथ 13 अप्रैल 2025 को सुबह सामूहिक विवाह सम्मेलन में संपन्न होगा। यह आयोजन समाज में सेवा, प्रेम और समानता का संदेश देगा।

विवाह से पहले मेहंदी और हल्दी का कार्यक्रम 11 और 12 अप्रैल को समिति परिसर में आयोजित किया जाएगा। विवाह के उपरांत उसी दिन शाम को बहुउद्देशीय सेवा समिति, इंदौर में भव्य आशीर्वाद समारोह रखा जाएगा, जिसमें समाज के गणमान्य लोग, समिति के सदस्य, शुभचिंतक और स्थानीय नागरिक शामिल होंगे।

समिति की अध्यक्ष अर्चना सक्सेना शर्मा ने बताया कि सीता बचपन से ही संस्था का हिस्सा रही हैं, और अब उनका विवाह धूमधाम से किया जाएगा। यह आयोजन उन सभी के लिए प्रेरणा बनेगा जो समाज में हर व्यक्ति के लिए समान अवसरों और सम्मान की भावना को बढ़ावा देना चाहते हैं।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने आत्मीय वातावरण में कही शहर के मुद्दों पर दिल की बात

इंदौर। आज शहर में कहीं ड्रेनेज तो कहीं सीवरेज, वॉटर स्टॉर्म, ब्रिज, मेट्रो आदि का काम चलने से यातयात बाधित हो रहा है तथा जनता को थोड़ी परेशानी हो रही है। लेकिन अगले एक वर्ष में जब ये कार्य पूर्ण होंगे तो शहर की फ़िज़ाँ ही बदल जाएगी और शहर एक अलग स्तर पर पहुँच जाएगा।

यह बात हाल ही में नगर भाजपा अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले आयोजन में श्री सुमित मिश्रा ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा आयोजित %रुबरु % कार्यक्रम में कही। स्वयं को मीडिया परिवार का हिस्सा बताते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि उन्होंने स्वयं अख़बार बांटने, साइकिल की दुकान, गौ पालन इत्यादि कार्य भी किया है तथा मीडिया के साथ भी। इसलिए स्टेट प्रेस क्लब में पत्रकारों के बीच सम्मान उनके लिए सबसे ख़ास है। उन्होंने पत्रकारों से अनुरोध किया कि संवादहीनता भी न रखें और यदि कोई त्रुटि हो तो छोड़ना भी मत। उन्होंने विनोदी अंदाज में कहा कि अगले आठ - दस दिनों में उनकी कार्यकारिणी बन जाएगी तो उनके ऊपर से काम का बोझ घटेगा क्योंकि जो कार्यकारिणी में आ जाएंगे वो काम में लग जाएंगे और जो नहीं आ पाएंगे वे भी अपने काम में लग जाएंगे। श्री दिनेश वर्मा द्वारा उठाए गए कांग्रेसी नेताओं मंच पर भरमार के विरोध के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है, भाजपा में मंच पर बैठने का अपना क्राइटेरिया है और वीवीआईपी आदि से मिलने की भी फिक्स गाइडलाइन है।

जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक अतुल दुबे को नियुक्त किया गया मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मध्य प्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। यह टीम सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा संबंधित विषयों पर सशक्त एवं केंद्रीकृत स्वायत्त संगठन के रूप में कार्य कर रही है। इस अनुक्रम में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए समस्त जिलों में डिजिटल संचालन एवं सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अतुल दुबे को इंदौर जिले का मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

यह नियुक्ति अपर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे के आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा की गई है।

मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी द्वारा विभागीय आईटी संबंधित कामकाज का रिव्यू किया जायेगा। रिस्क असेसमेंट तथा प्रक्रियाओं से संबंधित जानकारी एकत्रित कर उनमें सुधार कार्य हेतु अनुशंसा की जा सकेगी। विभागीय पोर्टल एवं अन्य आईटी कामकाज से संबंधित ऑडिट एवं टेस्टिंग संबंधी कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में जिन चीजों की आवश्यकता होगी उनका भी आंकलन किया जाएगा। साइबर क्राइम एवं संबंधित विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया जा सकेगा। साइबर क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की भी स्थापना की जाएगी। ऑफिस के आईटी संबंधी कामकाज में सम्पूर्ण सुरक्षा से कार्य किया जा सकेगा। स्टाफ को रेगुलर ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि वह अपनी आईटी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। आईटी सुरक्षा संबंधी घटनाओं का रिव्यू एवं आंकलन भी किया जाएगा ताकि आगे से यह घटनाएं न हो। मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति होने से साइबर सुरक्षा एवं डाटा सुरक्षा का लगातार रिव्यू होगा जिससे डाटा सुरक्षित होगा। जिला ई गवर्नेंस प्रबंधक एवं जिला मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री अतुल दुबे द्वारा बताया गया कि वह इस नवीन जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

संभागायुक्त के समन्वय से एम.आर. 12 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के समन्वय से आज शहर के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय हुआ। आज संभागायुक्त कार्यालय में आईडीए की योजना टीपीएस 08 स्थित मुख्य मार्ग एम.आर. 12 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज के संबंध में बैठक श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान में यातायात की सुगमता को दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड संकल्प पारित कर एम.आर. 12 के एलाइनमेंट में संशोधन का जो प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत किया गया है, उसके अनुरूप ही रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण किया जायेगा। ब्रिज 06 लेन ही बनाया जायेगा, ताकि भविष्य में यातायात की समस्या उत्पन्न न हो। पीडब्ल्यूडी ब्रिज डिविजन द्वारा इस रेल्वे ओव्हर ब्रिज के तीन लेन जीएडी रेल्वे से स्वीकृति प्राप्त कर बनाया जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य के लिये निविदा आमंत्रित कर एजेंसी की नियुक्ति की जा चुकी है। मौके पर ठेकेदार मोबेलाईज भी हो चुका है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने निर्देश दिए कि तीन लेन के कार्य को एम.आर. 12 के संशोधित रोड अलाइनमेंट अनुसार टीएनसीपी से डिजाईन प्राप्त कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाये एवं जो भी निर्माण कार्य करें, उसकी जानकारी इंदौर विकास प्राधिकरण को समय-समय पर उपलब्ध कराया जाये। बैठक में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा तीन लेन के रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, इसके पश्चात और शेष 03 लेन बनाने की आवश्यक प्रकिया प्रारंभ कर स्वीकृति प्राप्त की जाने की कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी। यदि शासन से बजट स्वीकृति पीडब्ल्यूडी को प्राप्त हो जाती है तो पीडब्ल्यूडी द्वारा, अन्यथा की स्थिति में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा यह अतिरिक्त निर्माण कार्य अपनी एम.आर.12 की योजना अंतर्गत किया जायेगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पुलिस अधीक्षक ने बाइक चलाई, कलेक्टर पीछे बैठे अधिकारियों ने टू-व्हीलर पर सवार होकर पंचक्रोशी यात्रा मार्ग का भ्रमण किया

उज्जैन । पंचक्रोशी यात्रा आगामी 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। इसी के मद्देनजर गुरुवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने प्रशासनिक अमले के साथ संपूर्ण पंचक्रोशी मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारीद्वय द्वारा टू- व्हीलर पर सवार होकर पंचक्रोशी मार्ग का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बाइक चलाई और कलेक्टर उनके पीछे बैठे।

अधिकारीगण सर्वप्रथम नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचे। यहां मंदिर के बाहर डॉक्टर की टीम लगाए जाने के निर्देश दिए गए, साथ ही बड़ी एल ई डी स्क्रीन, छाया के लिए टेंट और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के लिए कहा गया। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि आगामी 21 अप्रैल तक संपूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। हर पड़ाव स्थल पर दो-दो फायर ब्रिगेड तैनात की जाए। निरीक्षण के दौरान एडीएम कौशिक, नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी गण मौजूद थे।

पिंगलेश्वर पड़ाव स्थल पर पहुंचकर कलेक्टर श्री सिंह ने यहां पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्थाई शौचालय बनाए जाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा मधुमक्खी के छत्ते हटाए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पिंगलेश्वर मंदिर परिसर में स्थित परमार कालीन शिवलिंग के दर्शन किए तथा पिंगलेश्वर महादेव के दर्शन किए।

इसके पश्चात अधिकारियों द्वारा शनि मंदिर पड़ाव स्थल का अवलोकन किया गया। बताया गया कि यहां पर लोग रात्रि में विश्राम करते हैं। रात्रि विश्राम को ध्यान में रखते हुए यहां टेंट, पेयजल और छांव की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे चलित शौचालय की भी व्यवस्था करने की निर्देश दिए। करोहन पड़ाव स्थल पर पहुंचकर यहां पानी की व्यवस्था करने के लिए टैंकर लगाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही कुछ स्थानों पर बिजली की केबल को दुरुस्त करने के लिए एमपीईबी को निर्देश दिए।

अधिकारियों द्वारा नलवा उपपड़ाव स्थल का अवलोकन किया गया और मंदिर परिसर में स्थित कुएं की साफ-सफाई करने के निर्देश दिए गए।

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया ने शराब की बंद दुकान के बाहर मिठाई वितरण कर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया

उज्जैन। गोला मंडी स्थित शराब की बंद दुकान के बाहर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का धन्यवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शराबबंदी के साथ ही मांस की दुकान भी बंद करने की मांग की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवम भाजपा नेता विनोद लाला उपस्थित थे। उज्जैन जिला अध्यक्ष रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा शराबबंदी जैसे निर्णय का हिंदू संगठन पूर्व जोर से स्वागत करता है। शराब की बंद दुकान के बाहर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया के पदाधिकारी द्वारा मंच लगाकर लोगों को मिठाई का वितरण किया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लिए गए शराबबंदी के निर्णय का स्वागत किया गया साथ ही उन्होंने धार्मिक नगरी में मांस की दुकान बंद करने की भी मांग की है। मध्य प्रदेश सरकार ने शराबबंदी का अच्छा निर्णय है लेकिन साथ में मांस की दुकान भी अगर बंद होगी तो उज्जैन एक पवित्र नगरी बन जाएगा और यहां पर आने वाले श्रद्धालु उज्जैन से एक अच्छा संदेश लेकर जाएंगे। शराब दुकानों की वजह से स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस फैसले से गरीब परिवारों को विशेष राहत मिलेगी। इस मौके पर प्रवीण राय, सेवाराम गहलोत, ब्रजमोहन मित्तल, संजय राव, डॉ अनिल सराफ, कालू माली, दीपल कोठारी, पंकज प्रोवाल, राजेश राय, सुसील टटवाल, सोनू मालवीय, आशीष जैन, विशाल अग्रवाल, अंकित पोरवाल आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

निषादराज जी की जयंती पर पक्षियों के लिए जलपात्र बांटे

उज्जैन। बुधवार को निषादराज जी की जंयती के उपलक्ष में माझी समाज की धर्मशाला दूध तलाई पर 101दीपकों से निषाद राज जी का पूजन एवं आरती की गई। इस अवसर पर पक्षियों के लिए जलपात्र वितरण किए गए।

माझी समाज के प्रदेश अध्यक्ष राकेश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निषादराज जयंती धूम धाम से मनाई गई व गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए जलपत्र वितरण का कार्यक्रम रखा गया एवं समाजगण से घर की छत पर पक्षियों के लिए जलपात्र रखने का आग्रह किया गया ।

बीएसएनएल पेंशनरों ने किया विरोध प्रदर्शन

उज्जैन। सीसीएस (पेंशन) नियमों में संशोधन एवं भविष्य में पेंशन रिवीजन ना लागू करने के सरकार के फैसले के विरोध में आज बीएसएनएल पेंशनरों ने ऑल इंडिया डॉट एंड बीएसएनएल पेंशनर एसोसिएशन सहित अन्य एसोसिएशन के बैनर तले देवासगेट स्थित बीएसएनएल के समक्ष नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। एआईबीडीपीए के जिला सचिव के सी धवन, पी के शर्मा, पी के शुक्ला, एम के मकवाना, रमेशचंद्र शर्मा, बीएसएनएल एम्पलाईज यूनियन के जिला सचिव मनोज शर्मा ने संबोधित किया। प्रदर्शन में रमाशंकर बेलगोत्रा, बी के मरमट, वी के शर्मा राम बाबू सहित 50 से अधिक सदस्य शामिल रहे।

आज होगा राष्ट्रीय क्रांतिवीर अलंकरण समारोह अभिनन्दित होंगे मालवा के दो रत्न

उज्जैन। 27वां राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन आज 04 अप्रैल 2025, शुक्रवार को सायंकाल 6.30 बजे से उज्जयिनी के क्षिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित किया जायेगा। आज के इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण छत्तीसगढ़ बस्तर के समाजसेवी होंगे। राष्ट्रीय चेतना के भाव को जगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आपने बस्तर के आदिवासी कन्याओं को शिक्षित करने एवं सुकमा - बीजापुर हमले के बाद नक्सलवादियों से कोबरा कमांडो राकेश्वर सिंह मन्हास की रिहाई सुनिश्चित करने जैसे अनेक सामाजिक कार्यों में अपने जीवन को समर्पित किया है। इनको 27 वें राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड से अलंकृत किया जायेगा।

शुक्रवार को सायंकाल 6.30 बजे से उज्जयिनी के क्षिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित किया जायेगा। आज के इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण छत्तीसगढ़ बस्तर के शिक्षाविद्, समाजसेवी पद्मश्री श्री धर्मपाल जी सैनी को 27 वें राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड से अलंकृत किया जायेगा।

कार्यक्रम के आयोजक द्वय डॉ. प्रकाश रघुवंशी एवं ओमप्रकाश खत्री ने इस भव्य आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मालवा के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सेवी, लेखक एवं पत्रकार रामचन्द्र रघुवंशी काकाजी के पुण्य स्मरण दिवस 4 अप्रैल को इस आयोजन की शुरूआत 1999 में की गई। जिसमें आज़ाद भारत में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जाग्रत करने में किसी भी क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाला व्यक्तित्व इस अलंकरण का हकदार मानकर विगत 26 वर्षों से हमने मेग्सेसे अवार्ड से पुरस्कृत पानी बाबा राजेन्द्रसिंह, समाजसेवी अभिनेता सुनील दत्त, डॉ. किरण बेदी, नोबल पुरस्कार अभिनन्दित कैलाश सत्यार्थी, समाजसेवी मेधा पाटकर, पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद, डॉ. बिन्देश्वरी पाठक, डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी सहित देश की ख्यातीनाम हस्तियों को क्रांतिवीर अलंकरण से सम्मानीत करते आये हैं।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए आयोजन समिति के प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र पाराशर, प्रमुख समाजसेवी सुधीर भाई गोयल ने बताया कि आज के इस आत्मीय आयोजन की अध्यक्षता श्रीमती कलावती यादव (सभापति उज्जैन नगर निगम) करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय डॉ. अर्पण भारद्वाज, विशेष अतिथि अनिल कालुहेड़ा (विधायक उज्जैन उत्तर), समाजसेवी नारायण यादव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक यादव, भारत के एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष संजीव सरण, मुंबई, एडवोकेट नरेन्द्र कुमार छाजेड़ एवं डॉ. विजय कुमार महाड़िक होंगे।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुती के तौर पर राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुती अमित शर्मा देंगे। वहीं गणपति वंदना एवं शिव वंदना से सांस्कृतिक छटा नृत्य गुरु पद्मजा एवं प्रतीभा रघुवंशी के दल द्वारा नृत्य प्रस्तुत करेंगे। साथ ही नगर की शीर्ष सामाजिक संस्था सेवाधाम के कलाकारों के द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जायेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनामिका शर्मा द्वारा किया जायेगा। आयोजन समिति के सदस्य सोनू गेहलोत, सतीश समदानी, मनोज सक्सेना, सुश्री उमंग पाल ने नगर के गणमान्यजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर सफल बनाने की अपील की।

सिंहस्थ अखाड़ा गोला मंडी की गेर आज, झांकी व अखाड़ा शामिल होगा

उज्जैन । ओकारदास गुरु सिंहस्थ अखाड़ा गोला मंडी की राष्ट्रीय गेर 4 अप्रैल, शुक्रवार को नगर में धूमधाम से निकाली जाएगी। शाम 7 बजे ध्वज पूजन के पश्चात गेर प्रारंभ होगी।

यह जानकारी देते हुए ध्वज चल समारोह समिति गोला मंडी के रूपसिंह राय, राजेश शर्मा सर, लक्ष्मीनारायण मंदूड़ा, कमल कोठारी, सोनू मालवीय, नीलेश कोठारी ने संयुक्त रूप से बताया कि गेर में 21 ढोल, 21ध्वज, 3 बैंड, 2 डीजे, एक झांकी, श्री इच्छापूर्ण हनुमान जी का मुखौटा, श्री मतंगेश्वर महादेव का मुखोटा, देव गुरू बृहस्पति महादेव का मुखोटा व श्री सिद्धि विनायक गणेश का मुखौटा सहित चार नृत्य करने वाली घोड़ी, एक बग्घी, श्री इच्छापूर्ण हनुमान जी की पालकी, सिंहस्थ अखाड़ा प्रमुख रूप से शामिल रहेगा। गेर गोल मंडी, मिर्जा नईम बेग मार्ग, तेलीवाड़ा, सती गेट, सराफा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, मावा बाजार, टंकी चौक से होकर वापस गोला मंडी पहुंचकर समाप्त होगी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com